



Mr.vibhor Jain



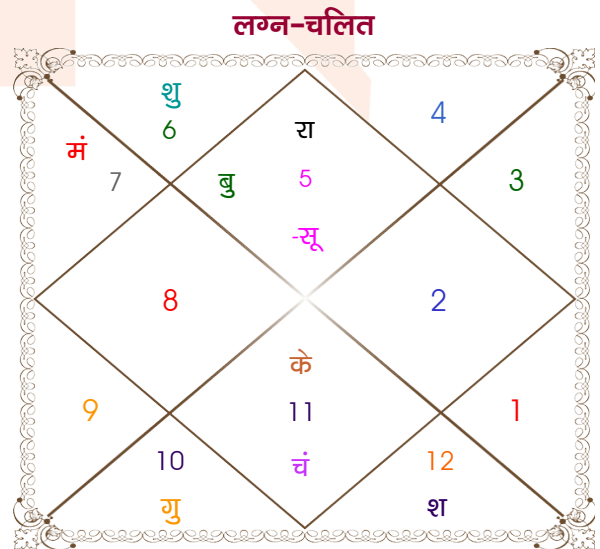
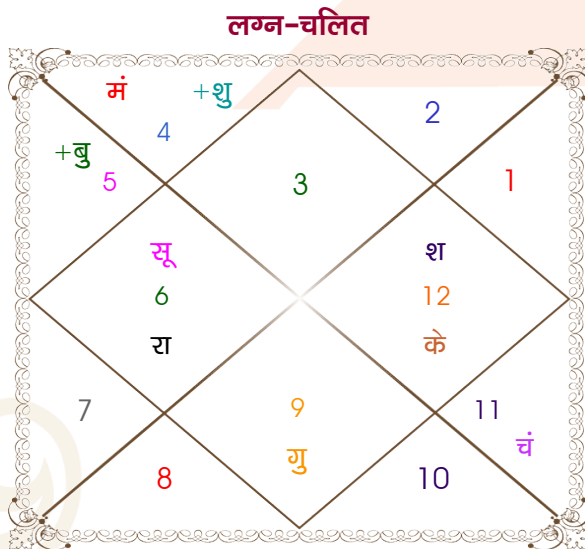
Ms.Dakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119856104

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 25/09/1996 : _____ जन्म तिथि _____ 20/08/1997
 बुधवार : _____ दिन _____ बुधवार
 घंटे 23:50:00 : _____ जन्म समय _____ 07:20:00 घंटे
 घटी 44:16:44 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 03:39:51 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Gwalior : _____ स्थान _____ Bhopal
 26:12:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 23:17:00 उत्तर
 78:09:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:28:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:17:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:20:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:07:18 : _____ सूर्योदय _____ 05:58:03
 18:10:21 : _____ सूर्यास्त _____ 18:48:32
 23:48:44 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:49:25

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 15वर्ष 2मा 0दि		15:29:05	मिथु	लग्न	सिंह	20:58:14	गुरु 8वर्ष 6मा 9दि	
शनि		09:08:21	कन्या	सूर्य	सिंह	03:16:06	बुध	
26/11/2011		20:41:38	कुंभ	चंद्र	कुंभ	26:13:44	27/02/2025	
26/11/2030		16:01:50	कर्क	मंगल	तुला	09:43:09	28/02/2042	
शनि	29/11/2014	25:15:45	सिंह व	बुध व	सिंह	22:10:16	बुध	27/07/2027
बुध	08/08/2017	14:46:44	धनु	गुरु व	मक	21:49:25	केतु	23/07/2028
केतु	17/09/2018	26:36:13	कर्क	शुक्र	कन्या	09:06:41	शुक्र	24/05/2031
शुक्र	17/11/2021	10:14:05	मीन व	शनि व	मीन	26:14:58	सूर्य	30/03/2032
सूर्य	30/10/2022	14:11:05	कन्या व	राहु	सिंह	25:59:08	चन्द्र	29/08/2033
चन्द्र	30/05/2024	14:11:05	मीन व	केतु	कुंभ	25:59:08	मंगल	26/08/2034
मंगल	09/07/2025	06:54:51	मक व	हर्ष व	मक	12:02:57	राहु	15/03/2037
राहु	15/05/2028	01:11:49	मक व	नेप व	मक	03:58:55	गुरु	20/06/2039
गुरु	26/11/2030	07:06:31	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:01:00	शनि	28/02/2042



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डतणअपड़ीवत श्रंपद का वर्ग मेष है तथा डेण्क्नीप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणअपड़ीवत श्रंपद और डेण्क्नीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणअपड़ीवत श्रंपद मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेण्क्नीप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डतणअपड़ीवत श्रंपद तथा डेण्क्नीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।